दिनांक: 18 नवंबर 2023

प्रधानमंत्री-पीवीटीजी विकास मिशन

इस लेख में "दैनिक करंट अफेयर्स" और विषय विवरण "पीएम-पीवीटीजी विकास मिशन" शामिल हैं। यह विषय संघ लोक सेवा आयोग के सिविल सेवा परीक्षा के सामाजिक न्याय अनुभाग में प्रासंगिक है।

मुख्य परीक्षा विषय-

- *सामान्य अध्ययन- 2: सामाजिक न्याय*

सुर्खियों में क्यों?

- हाल ही में प्रधान मंत्री ने पीएम पीवीटीजी विकास मिशन का उद्घाटन किया है, जो जनजातीय आबादी के भीतर सबसे कमजोर वर्ग को लक्षित करता है।

पीएम-पीवीटीजी विकास मिशन के बारे में:

- केंद्रीय बजट में अनुसूचित जनजातियों के लिए 15,000 करोड़ रुपये के आवंटित बजट के साथ पीएम-पीवीटीजी विकास मिशन कार्यक्रम का उद्देश्य विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) की सामाजिक-आर्थिक स्थिति का उत्थान करना है। यह पहल इन हाशिए के समुदायों के लिए आवश्यक सुविधाएं प्रदान करने और रहने की स्थिति में सुधार करने पर केंद्रित है।

मिशन के मुख्य पैरामीटर:

- सुरक्षित आवास जैसी बुनियादी सुविधाओं का प्रावधान।
- स्वच्छ पेयजल और स्वच्छता तक पहुंच सुनिश्चित करना।
- पीवीटीजी के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण को आगे बढ़ाना।
- पिछड़े अनुसूचित जनजातियों द्वारा बसाई गई बस्तियों में सड़कों तक पहुंच बढ़ाना।

विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (PVTGs):

पहचान और पदनाम

- गृह मंत्रालय द्वारा नामित, पीवीटीजी में 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में फैले 75 आदिवासी समूह शामिल हैं।
- 1975 में पेश की गई, पीवीटीजी की अवधारणा आदिवासी समुदायों के बीच सबसे कमजोर की पहचान करती है।
- 1993 में सूची का विस्तार हुआ, जिसमें 23 अतिरिक्त समूह शामिल थे, जिसके परिणामस्वरूप वर्तमान में कुल 75 थे।

क्षेत्रीय एकाग्रता:

- ओडिशा में पीवीटीजी की सबसे अधिक सांद्रता है, जिसमें 13 समूहों की पहचान की गई है।
- आंध्र प्रदेश 12 नामित पीवीटीजी के साथ निकटता से अनुसरण करता है।

PVTG के लिए वर्गीकरण मानदंड:

विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) को विशिष्ट मानदंडों के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है:

- **जनसंख्या गतिशीलता:** पीवीटीजी उनकी भेद्यता पर जोर देते हुए घटती या स्थिर आबादी का प्रदर्शन करते हैं।
- **शिक्षा स्तर:** इन समूहों में साक्षरता का निम्न स्तर है, जो शैक्षिक हस्तक्षेप की आवश्यकता को दर्शाता है।
- **तकनीकी विकास:** पीवीटीजी अक्सर प्रौद्योगिकी के पूर्व-कृषि स्तर को बनाए रखते हैं, जिसके लिए विकास ात्मक सहायता की आवश्यकता होती है।
- **आर्थिक स्थिति:** आर्थिक पिछड़ापन पीवीटीजी के वर्गीकरण के लिए एक महत्वपूर्ण मानदंड है, जो लक्षित सामाजिक-आर्थिक पहल की आवश्यकता को दर्शाता है।

पीएम-पीवीटीजी विकास मिशन विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों द्वारा सामना की जाने वाली अनूठी चुनौतियों को संबोधित करने पर केंद्रित है, जिसका उद्देश्य लक्षित हस्तक्षेपों और आवश्यक सेवाओं के प्रावधानों के माध्यम से उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति का उत्थान करना है।

स्रोत:pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1947246

दैनिक अभ्यास प्रश्न

प्रश्न-01 विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (PVTGs) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. PVTG को गृह मंत्रालय द्वारा नामित किया जाता है।
2. ओडिशा में PVTG की उच्चतम एकाग्रता है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: B

प्रश्न-02 पीवीटीजी के सामने आने वाली चुनौतियों का मूल्यांकन करें और उनकी सामाजिक-आर्थिक कमजोरियों को दूर करने के लिए नीतिगत उपायों का सुझाव दीजिए।

Rajiv Pandey

Yojna IAS
योजना है तो सफलता है
yojnaias.com